

12.41 hrs.

ASSENT TO BILL.

SECRETARY: Sir, I lay on the Table the Appropriation (No. 3) Bill, 1980, passed by the Houses of Parliament during the current session and assented to since a report was last made to the House on 25th July, 1980.

BUSINESS OF THE HOUSE

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. VENKATASUBBAIAH): With your permission, Sir, I rise to announce that Government Business in this House during the remaining part of the Session will consist of:

(1) Consideration of any item of Business carried over from the Order Paper of today.

(2) Consideration and passing of the Delhi Municipal Laws (Amendment and Validation) Bill, 1980.

(3) Discussion under Rule 193 on the widespread rape of mother earth resulting in the cumulative depletion of the natural resources, pollution of the habitat and upsetting the ecological balance to be raised by Shri Digvijay Singh at 3-30 P.M. on Monday, the 11th August, 1980.

(4) Discussion on the motion to be moved by Prof. Madhu Dandavate on the statement made by the Minister of Petroleum, Chemicals and Fertilizers in the House on 10th June, 1980, regarding increase in the prices of petroleum products. at 4-00 P.M. on Tuesday, the 12th August, 1980.

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur): On behalf of Karnataka Members I request you to allot some time to have a discussion on the Vijayanagar Steel Plant. The people of Karnataka are agitated over this matter.

MR. SPEAKER: Give some motion or calling attention.

श्री विजय कुमार यादव (नालन्दा): अध्यक्ष महोदय, यह जो अगला कार्यक्रम फिक्स किया गया है इसमें मैंने तीन सवाल को शामिल करने का सुझाव दिया है।

12.43 hrs.

[SHRI CHANDRAJIT YADAV in the Chair]

पहला सवाल यह है कि देश में काला धन एक समानान्तर आर्थिक नाकद के रूप में काम कर रहा है, लगभग 20 हजार से लेकर 25 हजार करोड़ रुपया देश में काले धन के रूप में है और इसकी वजह से देश में किसानों की लूट हो रही है। किसानों द्वारा उत्पादित चीजों को कम कीमत में लेकर, बाजार में चीजों के दाम बढ़ाकर, व्यापारी लूट मचा रहे हैं। स्वयं फाइनेन्स मिनिस्टर ने राज्य सभा में इस सवाल पर कहा है कि पिछली जनवरी से लेकर इधर तक कई चीजों—चीनी, दाल, साण्डसारी, गड़, साध्व तेल आदि—के दामों में वृद्धि हुई है। वैसे उन्होंने यह भी कहा कि अमरीका में जो मुद्रा प्रचलित है उसका 5.9 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत तक काला धन के रूप में है। उनका कहना है कि यह एक विश्वव्यापी परिस्थिति है और इसका रोका नहीं जा सकता है लेकिन दुनिया के सोशलिस्ट कंट्रीज में काला धन नाम की चीज नहीं है।

सभापति महोदय: आप इनमें इतना विस्तार से नहीं जा सकते हैं, आप कह सकते हैं कि इस पर बहस होनी चाहिए।

श्री विजय कुमार यादव: मैं इस बात की आवश्यकता महसूस करता हूँ कि इस एजेंडें में इन विषयों को भी जोड़ा जाना चाहिए और अगले दिनों इन पर विचार किया जाना चाहिए।

दूसरी बात यह है कि किसानों पर जो तमाम तरह के कर्जे हैं उससे उनको राहत दिलाने का सवाल है। हिन्दुस्तान के तमाम किसान बैंकों के कर्जों से, जो महाजन नांग हैं उनके कर्जों से और सहकारी बैंकों के कर्जों से तबाह हैं। हिन्दुस्तान के ज्यादातर हिस्सों में कहीं बाढ़, कहीं सूखाड़ की वजह से किसानों का उत्पादन कम होता है जिससे उनमें कर्जा करने की क्षमता नहीं रहती है और आज इसकी वजह से उनकी हालत खराब हो रही है।